मैथिली (प्रतिष्ठा)
बी० ए० (H) पार्ट - II
पेपर - III

बसंत कुमार
अतिथि शिक्षक
दिनांक - 10-04-21

दिनांक 09-07-2020 क शेष

प्रकरण - वर्णरत्नाकर

मनसोल्लास, जे गायकवाड़ ओरिएन्टल सीरीज, बड़ौदासँ प्रकाशित भेल अछि। मनोवैज्ञानिक - लोकनि कहैत छथि जे भावुक हृदयपर संख्याक प्रभाव जादू जकाँ पड़ैत अछि। पौराणिक भावना तँ संख्येक स्तम्भपर ठाढ़ अछि। तीन लोक, चौदह भुवन, सात द्वीप, उनचास पवन, एकादस रुद्र - एहि सभक भावनामे संख्या तेना समाहित भ' गेल अछि जे मात्र रुद्र पद कहलापर 11 संख्याक बोध भ' जाइत अछि। अति प्राचीन कालहिसँ विविध ग्रन्थमे एहि प्रकारक संख्याक विन्यास पाओल जाइत अछि। एहिमे सभसँ उपर स्थान पालि ग्रन्थक अछि। पुराण ओ धर्मशास्त्रमे एहि प्रकारक परिगणन कयल गेल अछि। वर्णरत्नाकरक बहुत प्रभेद - परिगणन एहि ग्रन्थक परिगणनसँ मिलैत अछि। तेँ कहि सकैत छी जे वर्णरत्नाकर लिखबामे सेहो ओ प्रवृत्ति वा प्रयोजन प्रेरक रहल होयत।

शेष अगिला अंकमे